बीरबल उपन्यास के लिए तपन बंदयोपाध्याय को साहित्य अकादमी पुरस्कार

बाडला, मणिपुरी व संताली भाषाओं में पुरस्कारो की घोषणा

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर (नवोदय टाइम्स) : साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2022 के शेष पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई है। इसमें बाडला भाषा में बीरबल उपन्यास के लिए तपन बंदयोपाध्याय के नाम की घोषणा की गई है। पुस्तक का चयन त्रिसदस्यीय निर्णायक मंडल ने निर्धारित चयन-प्रक्रिया का पालन करते हुए किया है।

निर्णायकों के बहुमत के आधार पर पुरस्कार की घोषणा की गई है। निर्णायक मंडल के सदस्य में गौतम घोषदस्तीदार, समरेश मजूमदार एवं हिमवंत बंद्योपाध्याय रहे। पुरस्कार के रूप में एक उत्कीर्ण ताम्रफलक, शॉल और एक लाख रुपए की राशि पुरस्कृत लेखक को दिल्ली में आयोजित एक विशेष समारोह (साहित्योत्सव) में 11 मार्च 2023 को दी जाएगी, जबकि साहित्य अकादमी ने बाडला, मणिपुरी और संताली भाषाओं में वर्ष 2022 के शेष रहे अनुवाद पुरस्कार भी प्रदान किए जाने की घोषणा की है। बाडला के लिए शोभिक डे सरकार द्वारा अनुदित पुस्तक आमार बाबा बालाईया के लिए, मणिपुरी के लिए सलाम तोंबा द्वारा अनुदित पुस्तक अंगोठबा केई, के लिए संताली के लिए लक्ष्मण किस्कू द्वारा अनूदित पुस्तक मेरोम गुपी दिन को यह पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की गई है। बाडला, मणिपुरी और संताली में सर्वसम्मति के आधार पर पुरस्कारों की घोषणा की गई है।